Per Capita income for 1993-94

3712. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI:- Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether the work relating to advance estimates of gross domestic product and per capita income for 1993-94 has begun;

(b) if so, the details thereof and by when the estimates are likely to be made available;

(c) whether the State-wise gross domestic product and per capita income has been targetted; and

(d) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI GIRIDHAR GOMANGO): (a) The advance estimates of Gross Domestic Product and per capita income for the year 1993-94 have aleady been released by the Central Statistical Organisation on 27-1-1994.

(b) As per the advance estimates of Central Statistical Organisation (C.S.O.) the Gross Domestic Product (GDP) at factor cost (at 80-81 prices) in 1993-94 is Rs. 230424 crore. The Per Capita Income (Per Capital Net National Product at factor cost) at 80-81 prices in 1993-94 has been estimated at Rs. 2255.

(c) and (d) The Stae-wiste annual growth targets of G.D.P. and per capital income have not been set by the Planning Commission.

गरीबी रेखा के नीचे रह रही अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जनजातियां और पिछड़े वर्ग

3713. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के परिवारों की राज्यवार संख्या कितनी -कितनी थी,

(ख) क्या पूर्व वर्ष की तुलना में ऐसे परिवारों की संख्या में कोई वृद्धि हुई है । कमी आई है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार ने इन परिवारों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाने हेतु क्या उपाय किये हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) से (ग) योजना आयोग राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एन एस एस ओ) द्वारा आयोजित घरेलू खपत व्यय संबंधी पंचवार्षिक सर्वेक्षण के आधार पर गरीबी की रेखा से नीचे के व्यक्तियों की राज्यवार संख्या का आकलन करता है, पिछड़े वर्गों के लिए गरीबी अनुमान उपलब्ध नहीं है । अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियो के राज्यवार गरीबी के अनुमान केवल वर्ष 1977-78 से 1983-94 तक के उपलब्ध हैं । 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के गरीबी के अनुमान उपलब्ध नहीं है ।

(घ) गरीब परिवारों की जीवन गुणवत्ता में सुधार हेतु कई कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं । इनमें आय बढाने वाले तथा रोजगार सर्जक कार्यक्रम शामिल हैं जैसे एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई आर डीपी), जवाहर रोजगार योजना (जे आर वाई), नेहरू रोजगार